परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 रावतभाटा

मॉडल टैस्ट पेपर (अर्द्धवार्षिक परीक्षा)

कक्षा --- बारहवीं समय --- 3 घंटे

विषय ---हिंदी पूर्णांक ---100

खंड "क"

प्र० 1 निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

जब लोग त्रस्त हों , पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हें सहानुभूति ,सहायता या प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है | उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है | उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए ,उनकी हिम्मत बढानी चाहिए ,जो ऐसा करते हैं ,वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान बना लेते है | अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं

दूसरों के सुख दुखों में सच्चे अंत:करण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही साथ ही व्यवहार कुशलता भी है जो लोगों को हमारी और आकर्षित करती है | हाँ इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी-ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए | जो भावना सच्ची होती है ,हृदय से निकलती है ,वह हृदय को बाँध भी सकती है |

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मसंतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी आपकी तरह प्रशंसा का .प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा होता है | यदि आप उसे प्रमाणिकता पूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे | दूसरों की भावनाओं को ठीक–ठीक समझना,उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना यही व्यवहार कुशलता है | इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है | इससे हमारी सुख - शान्ति बढ़ती है ,सो अलग |

क) लोगों को हमारी सहानुभूति या प्रोत्साहन की कब जरूरत होती है ? 2

ख) पराजित या शोक ग्रस्त व्यक्ति के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? 2

ग) लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हमें क्या करना चाहिए? सच्ची भावना का क्या प्रभाव पड़ता है? 2

घ) ऊपर से आत्मविश्वासी दिखाई देने वाले व्यक्ति को किस चीज की आवश्यकता होती है ? 2

ड.) व्यवहार कुशलता के क्या लक्षण हैं ? 2

छ) प्रत्यय और मूल शब्द बताईए :- पराजित ,प्रोत्साहित | 2

ज) समासिक शब्द(पद) का विग्रह करके समास का नाम लिखिए :- व्यवहार –कुशलता, सुख-शांति| 2

ट) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए | 1

अथवा

मनुष्य नाशवान प्राणी है| वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है | अन्य लोगों की भाँति महापुरुष भी नाशवान है वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, पर वे मर भी अमर हो जाते हैं | वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किए जाते हैं | उनके ये कार्य चिर -स्थायी होते हैं, और समय के साथ-साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं| ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार अपने को ढाल लेते हैं | संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया है,उनमें गाँधीजी को यदि आज भी नहीं माना जाता तो भी भविष्य में उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा क्यों कि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को विभिन्न भागों में नहीं बाँटा , बल्कि जीवनधारा को सदा एक और अविभाज्य माना है, जिन्हें हम सामाजिक आर्थिक और नैतिक के नाम से पुकारते हैं वे वास्तव में उसी धारा की उपधाराएँ हैं ,

उसी भवन के अलग –अलग पहलू हैं | गाँधीजी ने मानव जीवन के इस ने कथानक की व्याख्या न किसी के हृदय को स्पर्श करने वाले वीर -काव्य की भाँति की और न ही किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति ही | उन्होंने मनुष्यों की आत्मा में अपने को निम्नतम रूप में उचित कार्य के प्रति निष्ठा ,किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा और किसी विचार के स्वार्पण के प्रति सतत चलने वाले संघर्ष के नाटक की भाँति माना है | उन्होंने सदा साध्य को ही महत्त्व नहीं दिया ,बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा| साध्य के साथ –साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए |

क) सामान्य मनुष्य और महापुरुष में क्या अंतर है ? 2

ख) महापुरुषों को क्यों याद किया जाता है ? 2

ग) गाँधीजी को भविष्य में सबसे बड़ा क्यों माना जाएगा ? 2

घ) गाँधीजी ने मानव जीवन की व्याख्या किस प्रकार की थी ? 2

ड.) साध्य और साधन के विषय में गाँधीजी के क्या विचार थे ? 2

च) उचित शीर्षक दीजिए | 1

छ) संयुक्त वाक्य बनाइए :- 1

वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किए जाते हैं |

ज) 'चिरस्थायी 'का अर्थ स्पष्ट कीजिए | 1

झ) 'इक ' प्रत्यय वाले कोई दो शब्द छाँटिए | 1

ट) 'अविभाज्य ' और 'स्वार्पण 'में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए | 1

प्र० 2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

न देख रास्ता कठिन , न सोच रात है कि दिन
सधे हुए कदम उठा , न कोस एक –एक गिन |
तुझे बुला रही पथिक ,डगर अगम कठिन विषम ,
न लक्ष्य दूर है कहीं,उठा कदम बढा कदम |
डगर निहारती तुझे ,विजय पुकारती तुझे
बुला रही सगर्व सुन महान भारती तुझे
न और वक्त है रहा ,प्रवीर रक्त तू बहा|
न शेष कुछ रहा ,जिसे तुझे न आज है कहा |

क) इन काव्य-पंक्तियों में किस मार्ग पर कदम बढ़ाने के लिए किसे उत्साहित किया जा रहा है ? 1

ख) 'रास्ता भयानक और कठिन है ' –यह किन शब्दों द्वारा स्वीकार किया गया है ? 1

ग) रास्ते पर बढ़ते हुए पथिक से किन बातों की ओर ध्यान न देने का अनुरोध किया है ? 1

घ) कवि ने किस प्रकार पथिक को स्वाभिमान ओर कर्तव्य का बोध कराया है ? 1

ड.) 'न कोस एक –एक गिन ' कथन का आशय स्पष्ट करें | 1

अथवा

रोटी उसकी ,जिसका अनाज ,जिसकी जमीन ,जिनका श्रम है ;
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुप्रसिद्ध, सीधा क्रम है |
आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का ,

आजादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का |
गौरव की भाषा नई सीख, भीखमंगों की आवाज बदल ,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़ ,उड़ने का अब अंदाज बदल |
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं ;
रोटी क्या ? ये अंबरवाले सारे सिंगार मिल सकते हैं |

क) आजादी क्यों आवश्यक है ? 1

ख) सच्चे अर्थों में रोटी पर किसका अधिकार है ? 1

ग) कवि ने किन पंक्तियों में गिडगिडाना छोड़ कर स्वाभिमानी बनने को कहा है ? 1

घ) कवि व्यक्ति को क्या परामर्श देता है ? 1

ड.) आजाद व्यक्ति क्या कर सकता है ? 1

खंड ख

प्र० 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । 5

क) आतंकवाद : विश्व के लिए भयानक खतरा
ख) मन के हारे हार है मन के जीते जीत
ग) युवा पीढ़ी और राष्ट्र निर्माण
घ) परिश्रम सफलता की कुंजी है
ड.) इंटरनेट : वरदान या अभिशाप
च) सबसे बड़ा सुख – स्वस्थ शरीर

प्र० 4 अपने नगर के विद्युत विभाग के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें परीक्षा के दिनों में बिजली चले जाने के कारण विद्यार्थियों की परेशानियों को व्यक्त किया गया हो | 5

अथवा

खर्चीले फैशन की होड़ छोड़ने एवं कुसंगति से दूर रहने के लिए सुझाव देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए ।

अथवा

नगरों में दिन –प्रतिदिन बढ़ते प्रदूषण के प्रति चिंता प्रकट करते हुए दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

प्र० (अ) 5 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :- 1x5=5

क) संपादकीय किसे कहते हैं
ख) जन संचार के माध्यम कौन-कौन से हैं ?
ग) डेड लाइन किसे कहते हैं ?
घ) खोज परक पत्रकारिता क्या है ?
ड.) इंटरनेट से क्या अभिप्राय है ?
च) हिंदी का पहला समाचारपत्र कहाँ और किसके द्वारा प्रकाशित किया ग्या ?
छ) ब्रेकिंग न्यूज से क्या अभिप्राय है ?
ज) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?
झ) 'उल्टा पिरामिड शैली ' क्या है ?

ट) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' का क्या आशय है ?

(आ) ' वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं 'अथवा ' महिलाओं के विरूद्ध बढ़ते अपराध' अथवा 'जनसंख्या घटते बढ़ती संसाधन' विषय पर एक आलेख लिखिए | 5

प्र० 6 'मेरे विद्यालय का पुस्तकालय ' अथवा 'मेरे शहर में प्रदूषण 'अथवा 'भोजन और स्वास्थ्य"विषय पर एक फीचर लिखिए

खंड ग

प्र० 7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर दीजिए । 2x4=8

जाने क्या रिश्ता है , जाने क्या नाता है
जितना भी उड़ेलता हूँ ,भर भर फिर आता है ,
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह ,ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात -भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है !

क) कवि अपने प्रिय और अपने मध्य रिश्ते को किस प्रकार व्यक्त करता है ?
ख) कवि को अपने दिल में एक झरना क्यों प्रतीत होता है ?
ग) कवि अपनी प्रिया को अपने जीवन में किस प्रकार अनुभव करता है ?
घ) कवि की श्रृंगार भावना पर प्रकाश डालिए|

अथवा

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

क) 'कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने ' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |
ख) इस पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए |
ग) कौन कविता के पंख लगा के उड़ना चाहता है ?
घ) इस पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए |

प्र० 8 निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 2x3=6

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और.....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

क) काव्यांश में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख कीजिए |
ख) काव्यांश की भाषा गत विशेषताएँ बताएँ |
ग) इस पद्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

अथवा

यह तेरी रण – तरी भरी आकांक्षाओं से ,
घन , भेरी –गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के ,आशाओं से
नवजीवन की ,ऊँचा कर सिर ,
ताक रहे हैं ,ऐ विप्लव के बादल !
फिर-फिर बार-बार गर्जन वर्षण है मूसलाधार ,
हृदय थाम लेता संसार ,सुन-सुन घोर वज्र –हुंकार |

क) बादलों को‘ विप्लव के बादल ’ क्यों कहा गया है ?
ख) नवजीवन की आशा में कौन सिर उठाए हुए हैं ? उन्हें क्रांति का लाभ किस प्रकार मिलेगा ?
ग) उपर्युक्त पद्यांश का काव्य सौंदर्य बताइए |

अथवा

सारी मुश्किलों को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंज को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्यों कि इस करतब पर मुझ
साफ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह ।

क) तमाशबीन वाह वाह क्यों कर रहे थे ?
ख) इस काव्यांश का मुख्य संदेश स्पष्ट कीजिए |
ग) उपरोक्त पद्यांश के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए |

प्र० 9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- 3x2 =6

क) ‘बादल राग ’ कविता में कवि ने बादलों के बहाने क्रांति का आह्वान क्यों किया है ?
ख) ‘उषा ’कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए |
ग) ‘सहर्ष स्वीकारा है ’ नामक कविता से कवि क्या कहना चाहता है ?

घ) दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने किसी दुर्बल को क्यों लाते हैं ?

ड.) 'कविता के बहाने ' कविता के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

च) पतंगों के साथ –साथ वे भी उड़ रहे हैं –बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनता है ?

प्र० 10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x4=8

उठते वक्त उन्होंने पुड़िया सफिया के बैग में रख दी और खुद उस बैग को उठा कर आगे -आगे चलने लगे ;सफिया ने उनके पीछे –पीछे चलना शुरू किया | जब सफिया अमृतसर के पुल पर चढ़ रही थी , तब पुल की सबसे निचली सीढी के पास वे सिर झुकाए चुपचाप खड़े थे | सफिया सोचती जा रही थी किसका वतन कहाँ है – वह जो कस्टम के इस तरफ है या उस तरफ |

क) सफिया कौन थी ? वह कहाँ जा रही थी ?

ख) सफिया के बैग में पुड़िया किसने रखी और क्यों ?

ग) सफिया क्या सोच रही थी ?

घ) इस कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए |

अथवा

कुत्तों में परिस्थिति को ताडने की एक विशेष बुद्धि होती है | वे दिन भर राख के घूरों पर गठरी की तरह सिकुड कर ,मन मार कर पड़े रहते थे | संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिल के रोते थे | रात्रि अपनी भीषणताओं के साथ चलती रहती और उसकी सारी भीषणता को ताल ठोक कर ,ललकारती रहती थी – सिर्फ पहलवान की ढोलक ! संध्या से लेकर प्रातःकाल तक एक ही एक ही गति से बजती रहती –'चट्-धा,गिड –धा ,.... चट्-धा,गिड –धा ! यानी 'आ जा भिड जा , आ जा भिड जा !'..... बीच -बीच में चटाक-चट-धा चटाक -चट –धा ! यानी उठा कर पटक दे ! उठा कर पटक दे !' यही आवाज मृत –गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी |

क) कुत्तों में क्या विशेषता होती है ?

ख) रात में पहलवान की ढोलक क्या करती थी ?

ग) 'चट्-धा,गिड –धा ,.... और चटाक-चट-धा शब्दों का अर्थ लिखिए |

घ) पहलवान की ढोलक का क्या प्रभाव था ?

प्र० 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 3X4 =12

क) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन सा सशक्त पहलू उभर कर सामने आता है ?

ख) भक्तिन के अनुसार शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है ?

ग) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

घ) चार्ली अपने ऊपर सबसे अधिक कब हँसता था ?

ड.) लेखक ने चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किसे कहा गया है और क्यों ?

च) नमक कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्वपूर्ण क्यों हो गई ?कस्टम अधिकारी उसे लौटाते हुए भावुक क्यों हो उठा ?

छ) कहानी के किस -किस मोड पर लुट्टन के जीवन में क्या –क्या परिवर्तन आए ?

ज) 'काले मेघा पानी दे 'पाठ के आधार पर लेखक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए |

झ) लेखक जैनेद्र कुमार ने बाजार को 'जादू ' क्यों कहा है ?

प्र० 12 निम्नलिखित बोधात्मक प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 3X2=6

क) मुअनजो –दडो की सभ्यता को 'लो प्रोफाइल ' सभ्यता क्यों कहा गया है ?

ख) 'अतीत में दबे पाँव ' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए |

ग) किशन दा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए |

घ) यशोधर बाबू के बेटे अपने पिता के साथ पराएपन का व्यवहार क्यों करते थे ?

प्र० 13 निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 2X2=4

क) 'सिल्वर वैडिंग ' के आधार पर 'जो हुआ होगा ' कथन के दो अर्थ लिखिए |

ख) 'अतीत में दबे पाँव पाठ ' में वर्णित महाकुंड का वर्णन कीजिए |

ग) 'जूझ 'कहानी के आधार पर लेखक और उसके प्रिय शिक्षक के संबंधों पर प्रकाश डालिए |

घ) मुअनजो –दडो कहाँ है ? यह क्यों प्रसिद्ध है ?

प्र० 14 'जूझ ' का नायक सचमुच एक संघर्षशील बालक है –सिद्ध कीजिए | 5

अथवा

' सिल्वर वैडिंग ' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |

अथवा

'अतीत में दबे पाँव 'के आधार पर मुअनजो –दडो की नगर -योजना पर टिप्पणी कीजिए |

.....